साइबर युग में आवश्यक है तकनीकी शिक्षा : कुलपति

◆ सेन्ट्रल लाइब्रेरी जल्द ही जुड़ जायेगा ई-ग्रंथालय से

भागलपुर, विश्वविद्यालय संवाददाता: आज साइबर युग में जब हम जीवन के हर पहलू एवं हर क्षेत्र में कम्प्यूटर के जरिये इलेक्ट्रानिक स्तर में प्रवेश कर रहे हैं तब ग्रन्थालय का भी रूप ई-ग्रन्थालय करके इसे कंप्यूटरीकृत किया जाना आवश्यक है। इसी के तहत भागलपुर का केन्द्रीय पुस्तकालय भी ई-ग्रंथालय में तब्दील हो जायेगा। यह बातें मंगलवार को कुलपति डा. प्रेमा झा ने स्नातकोतर पुस्तकालय एवं सूचना विभाग में एनआईसी भारत सरकार द्वारा प्रायोजित त्रिदिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद कही। उन्होंने कहा कि इस दौर में लोग ई-फ्रेन्ड्स बना रहे हैं ऐसे में ई-लाइब्रेरी सभी के लिए उपयोगी साबित होगा।

इस मौके पर राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के तकनीकी निदेशक राम कुमार माटोरिया ने बताया कि ई-ग्रंथालय नामक साफ्वेयर सभी लाइब्रेरी को एनआईसी (राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र) द्वारा मुफ्त में उपलब्ध कराया जा रहा है। सेन्ट्रल लाइब्रेरी के साथ-साथ भागलपुर के अन्य कालेजों के पुस्तकालयों को भी साफ्टवेयर उपलब्ध कराया जा रहा है। फिलहाल अभी सबसे पहले सेन्ट्रल लाईब्रेरी आन लाइन हो जायेगी। जिससे घर बैठे छात्र जान सकेंगे कि उनके लाइब्रेरी में कौन-कौन सी किताबें हैं। उन्होंने बताया कि छात्रों के साथ-साथ विभिन्न कालेजों के लाइब्रेरियन को भी प्रशिक्षित करने का कार्य किया जा रहा है। श्री माटोरिया ने बताया कि बिहार में चार -पांच विश्वविद्यालयों के लाइब्रेरी को ई-ग्रन्थालय नामक साफ्टवेयर से जोड़ा गया है। आने वाले कुछ सालों में देश के सभी लाइब्रेरी को जोड़ने की एनआईसी की योजना है।

कार्याशाला को संबोधित करतीं कुलपति डा. प्रेमा झा जागरण

दैनिक जागरण 11-11-09 पृ० 3
भागलपुर

अतिथियों का स्वागत करते हुये स्नातकोतर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष बालकृष्ण झा ने कहा कि बीसवीं शताब्दी ज्ञान एवं सूचना के युग का है। इसमें विश्वविद्यालय को आधुनिक स्वरूप ई-ग्रंथालय का दिया जाना आवश्यक है ताकि राष्ट्रीय स्तर पर हर ग्रंथालय को एक दूसरे से जोड़ा जा सके। धन्यवाद ज्ञापन प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष डा. अरूण कुमार सिन्हा ने किया। इस मौके पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी केके झा, एनआईसी दिल्ली के वैज्ञानिक रवि रंजन, विभाग के भूतपूर्व कार्डिनेटर डा. उपेन्द्र प्रसाद यादव , प्राध्यापक जयंत कुमार सिन्हा, बसंत कुमार चौधरी, किरण सिन्हा, डा.प्रमोद कुमार सिन्हा, डा. अरूण कुमार झा तथा प्रो. विजय कुमार आदि उपस्थित थे। इससे पूर्व कार्यक्रम के शुभारंभ में सुमन, शिल्पी, सितवत और खुशबू ने कुलगीत गाया। वहीं कार्यक्रम के शुरुआत में ही प्रोफेसर इंचार्ज डा. बालकृष्ण झा एवं प्रभारी विभागाध्यक्ष बरूण सरकार के द्वारा कुलपति, श्री माटोरिया, कुलसचिव विनय कुमार सिंह एवं श्री रंजन को सिल्क चादर व बुके भेंट किया गया।